लगन | by Gopal Sain

काम जो थे अटके वो पूरे हो गए
ख्वाब जो थे आधे वो पूरे हो गए
हम भी अब आपके दीवाने हो गए
जबसे तुमने किये जो उपकार हैं
सूने जीवन में छायी अब बहार है
झूठे रिश्तो की अब ना दरकार है
जैसे रखोगे हमको स्वीकार है

किरपा बरसे हाँ बरसे मेरे श्याम की
मेरे तन में मन में मस्ती मेरे श्याम की
आज लगी है लगन इनके नाम की
जबसे इसने संभाला परिवार है
सूने जीवन में छायी अब बहार है
जबसे तुमसे जुड़े ये दिल के तार हैं
सूने जीवन में छायी अब बहार है

वक़्त वो था ऐसा हम तो मजबूर थे
अपने हालातो से हम थक के चूर थे
जबसे तुमपे किया जो एतबार है
सूने जीवन में छायी अब बहार है
झूठे रिश्तो की अब ना दरकार है
जैसे रखोगे हमको स्वीकार है

सोच भी अब मेरी ये सोचने लगी
आँख भी ये मेरी भेद खोलने लगी
दिल की धड़कन भी अब बोलने लगी
जबसे तुमने मोहित को दिया प्यार है
सूने जीवन में छायी अब बहार है
झूठे रिश्तो की अब ना दरकार है
जैसे रखोगे हमको स्वीकार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a4%a8-by-gopal-sain/